No. of Printed Pages : 4

2017

QCA/BC : GTBPN-51

सामान्य हिन्दी

GENERAL HINDI

निर्धारित समय : तीन घंटे] [अधिकतम अंक : 150

Time allowed : Three Hours] [Maximum Marks : 150

नोट : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(ii) प्रत्येक प्रश्न के अंक प्रश्न के अंत में अंकित हैं ।

(iii) पत्र, प्रार्थना-पत्र या किसी अन्य प्रश्न के उत्तर के साथ अपना अथवा अन्य का नाम, पता एवं अनुक्रमांक न लिखें । आवश्यक होने पर क, ख, ग लिख सकते हैं ।

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

भाषा मनुष्य की सामाजिक और अर्जित संपत्ति है । जिससे हम अपने मन के भाव दूसरों पर प्रकट करते हैं । वस्तुतः यह मन के भाव प्रकट करने का ढग या प्रकार मात्र है । अपने परम प्रचलित या सीमित अर्थ में भाषा के अंतर्गत वे तत्सम शब्द भी आते हैं, जो हम प्रयोग करते हैं और उन शब्दों के वे तद्भव रूप भी आते हैं, जो हम सरलार्थ रूप में लगाते हैं । हमारे मन में समय-समय पर विचार, भाव, इच्छाएँ, अनुभूतियाँ आदि उत्पन्न होती हैं, वही हम अपनी भाषा के द्वारा, चाहे बोलकर, चाहे लिखकर, चाहे किसी संकेत से दूसरों पर प्रकट करते हैं, कभी-कभी हम अपने मुख की कुछ विशेष प्रकार की आकृति बनाकर या भावभंगी से भी अपने विचार और भाव एक सीमा तक प्रकट करते हैं, पर भाव प्रकट करने के ये सब प्रकार हमारे विचार प्रकट करने में उतने अधिक सहायक नहीं होते, जितनी बोली जाने वाली भाषा होती है । यह ठीक है कि कुछ चरम अवस्थाओं में मन का कोई विशेष भाव किसी अवसर पर मूक रहकर या फिर कुछ विशिष्ट मुद्राओं से प्रकट किया जाता है । इसीलिए 'मूक अभिनय' भी 'अभिनय' का एक उत्कृष्ट प्रकार माना जाता है, पर साधारणतः मन के भाव प्रकट करने का सबसे अच्छा, सुगम और सब लोगों के लिए सुलभ उपाय भाषा ही है ।

(क) प्रस्तुत गद्यांश का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए । 5

(ख) भाव-अभिव्यक्ति के साधन के रूप में भाषा को उपर्युक्त अवतरण के आधार पर स्पष्ट कीजिए । 5

(ग) प्रस्तुत गद्यांश की रेखांकित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए । 20

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर निर्देशानुसार उत्तर लिखिए :

मनुष्य के चिंतन और गतिशीलता में हृदय, मन और मस्तिष्क की विशेष भूमिका होती है। मानव मन कुदरत की एक अनोखी देन है। सोचने-विचारने की शक्ति को अपनी पूँजी मानकर चलें, भले ही जिंदगी में कैसे भी उतार-चढ़ाव क्यों न आएँ। चिंतन ही प्रगति है। चिंतन से रहित होना किसी व्यक्ति, संस्था और देश के लिए विनाशकारी होता है। चिंतन या विचार से जीवन में सक्रियता आती है। बिना सक्रियता वाला ज्ञान बेकार और बेमानी है। ज्ञान के साथ सक्रियता भी हो, तो खुशहाली आती है। इसमें कोई शक नहीं कि हर इंसान के दिमाग में सृजनशीलता के बीज मौजूद होते हैं, किंतु उन्हें अंकुरित और अभिव्यक्त करने के लिए दृढ़ संकल्प से प्रयास करना पड़ता है। प्रत्येक इंसान सृजनशील है, हर मन में जिज्ञासा होती है और हमें चाहिए कि जब कोई बच्चा प्रश्न करे, तो हम उसकी जिज्ञासा को शांत कर उसका ज्ञान वर्द्धन करें। शिक्षक और माता-पिता की यह बुनियादी ज़िम्मेदारी है। यदि बचपन में ही ऐसा किया जाए, तो सृजनशीलता पोषित होगी और बच्चों का बौद्धिक विकास होगा। सृजनशीलता मानव-चिंतन का आधार है। चाहे कितनी ही गति और स्मृति देने वाले कम्प्यूटर विकसित हो जाएँ, मानव चिंतन का स्थान हमेशा सबसे ऊपर रहेगा।

(क) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। **5**

(ख) ज्ञान के साथ सक्रियता क्यों आवश्यक है ? विचार कीजिए। **5**

(ग) प्रस्तुत गद्यांश का संक्षेपण कीजिए। **20**

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) संयुक्त सचिव, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन को भेजने हेतु एक सरकारी-पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए, जिसमें उत्तर प्रदेश में निर्माणाधीन केंद्रीय राजमार्गों की अद्यतन जानकारी प्रेषित करने को कहा गया हो। **10**

(ख) सरकारी और अर्ध सरकारी-पत्र का अंतर स्पष्ट करते हुए अर्ध सरकारी-पत्र का एक उदाहरण दीजिए। **10**

4. निम्नलिखित उपसर्गों/प्रत्ययों से **एक-एक** शब्द की रचना कीजिए : **10**

वि, उत्, दु, अप, निर्, इतर, आलु, नी, घ्न, प्र

5. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए : **10**

मुखर, उपार्जित, समष्टि, निंद्य, तिरस्कार, शर्मनाक, ऋजु, लुभावना, विहित, तामसिक

6. (क) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए : 5

(i) एक रुपये में कितना पैसा होता है ?

(ii) वह सीधा-साधा आदमी हैं ।

(iii) वहाँ भारी भीड एकत्रित हो गई ।

(iv) गोलियों की बाढ़ के सामने कोई न टिक सका ।

(v) हम गाँधी जी की मूर्त्ति का दर्शन करने गए थे ।

(ख) निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी का संशोधन कीजिए : 5

सन्न्यासी, आर्शिवाद, अनिरबचनीय, अन्तरतलेय, बहुब्रीही

7. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए **एक-एक** शब्द लिखिए : 10

(i) जिस पर किसी का आतंक छाया हो ।

(ii) जो शोक करने योग्य न हो ।

(iii) जिसे ऊपर कहा गया हो ।

(iv) जिसके हृदय को चोट पहुँची हो ।

(v) वह धन जो आधिकारिक रूप से राज्य को मिलता हो ।

8. निम्नलिखित मुहावरों/लोकोक्तियों के अर्थ स्पष्ट कीजिए और अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए : 30

(i) कलेजा मुँह को आना

(ii) दिन में तारे दिखाई देना

(iii) साँप छछूंदर की गति होना

(iv) ढाक के वही तीन पात

(v) अंधे के हाथ बटेर लगना

(vi) यह मुँह और मसूर की दाल

(vii) हारे को हरिनाम

(viii) अधजल गगरी छलकत जाए

(ix) बिंध गया सो मोती, रह गया सो सीप

(x) जैसे कंता घर रहे, वैसे रहे परदेस